सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-6 **विषय: हिंदीपाठ्यपुस्तक** **पाठ-14 ऋतुराज वसंत(कविता)**

मौखिक प्रश्न/ उत्तर

1. **ऋतुओं का राजा वसंत को कहा गया है।**
2. **वसंत के आगमन का संदेश कोयल दे रही है।**
3. **सरसों के फूल पीले रंग के होते हैं।**
4. **प्रकृति ने पीले वस्त्र पहने हैं।**
5. **इस कविता के रचयिता द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी है।**

लिखित कौशल

उ०१) कवि अपनी माँ को ऋतुराज वसंत के आगमन की सूचना दे रहे हैं।

उ०२) वसंत के आने पर कोयल कूकती है और लोगों को वसंत के आगमन का संदेश देती है।

उ०३) मंद- मंद हवा के झोंके जगत को शीतलता प्रदान करते हैं।

निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए

फूली सरसों पीली- पीली,

रवि रश्मि स्वर्ण सी चमकीली

गिरकर उन पर खेतों में भी

भारती स्वर्ण का साज थी

माँ यह वसंत ऋतु राज री!

भावार्थ- प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ है कि माँ, ऋतुओं का राजा वसंत आ गया है। पीली- पीली सरसों के फूल खिल चुके हैं और उन पर पढ़ने वाली सूरज की किरणें सोने जैसी चमकीली लग रही हैं। खेतों में भी सोने की- सी चमक बिखरी हुई है।

मूल्यपरक प्र०/उ

उ०१) वसंत का आगमन संदेश देता है कि हमें प्रकृति से प्रेम करना चाहिए और उसका रख-रखाव करना चाहिए। हमें मिल-जुलकर रहना चाहिए और अपने तथा दूसरों के जीवन में खुशियाँ भरनी चाहिए।